Naidunia (Indore), 09th September 2024, Naidunia City, Page- I

आइआइटी इंदौर में शिक्षक दिवस पर सेमिनार का आयोजित

जीवन का पाठ पढ़ाने में शिक्षक की अहम भूमिका

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी इंदौर) में शिक्षक दिवस पर 'शिक्षा का भविष्य बदलती दुनिया के लिए छात्रों को तैयार करना' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसके माध्यम से शिक्षा के नए चलन के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। छात्रों के बदलते मनोविज्ञान पर जोर दिया गया, ताकि वे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित कर सकें। मुख्य अतिथि आइआइटी बांबे के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एके सुरेश और विशेष अतिथि सेंटर आफ पेडागाजी एंड करिकुलम एक्सीलेंस के सलाहकार प्रो. प्रमोद एस. मेहता थे।

प्रो. सुरेश ने कहा कि शिक्षक सिर्फ विद्यार्थियों को ज्ञान नहीं देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन जीने का पाठ भी पढ़ते हैं। निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि शिक्षण बहुत महान पेशा है जो किसी व्यक्ति के चरित्र, क्षमता और भविष्य को आकार देता है। हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि भविष्य के इंजीनियर को कार्य के क्षेत्र में प्रभावी होने के लिए बहुमुखी होना चाहिए। इसके लिए हमारी शिक्षण पद्धति को छात्रों की योग्यता और सीखने की इच्छा को विकसित करने के लिए नई इंटरेक्टिव और ध्यान आकर्षित करने वाली तकनीकों को विकसित करने में सक्षम होना चाहिए।

समारोह में संस्थान ने प्रो. कपिल आहूजा, प्रो. सुनील कुमार व प्रो. आइए पलानी को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया।